

सु सुद्व



व ज स



म क्षा क्षा



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो स्वर्ग सीढी काम नथी। पदय २ प नादु तीव्र
तीव्र साहा ॥ ॥ हि तीव्र साहा ॥ ॥ थना उरु मान
सा नवीयके ॥ ॥ के तनके ॥ तिठ जाय ॥ भिष्मा रु
तीयाय ॥ ॥ अबगमावातार्थ वना थाव ला, न सब
सावा सुधी ना राव नु, स स मगी न न देव पृथ्वी

दीनम ह्या मीरु साया तुलुसि ॥ अबगमावातार्थ
ववला था लाव, न सब सत्वा सुधी भा राव तु, सा
न विना गी न पदव पृथ्वी, व सा नम सामी ० हा वा
तु सुसि ॥ थ व गमावातार्थ वना थाव ला, न सब सत्वा
सुधी भा राव तु, ग न नम गी न न देव पृथ्वी, स हा

नमस्यामीं ह्युत्तमसि ॥ जानिह रतना सुमा
गता नास्तीति तस्मावगता, पनीरुक्कव नुमरुक्कव्या
सुदेवा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कवतक, दानयतीति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
य नवकु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वक्त नन सकलितवको ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सगम नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
तोवना ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
६ मउपाता समस्तलव द्वापइती ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

किं रुद्रपिपिल्यी का पनयनवयवका श्री सायन्या नव
 अ नमः कथं तं कवन प्र इय राने खे जो लो नृता प्राण्य भी ताव

शुभमस्तु ॥ १८८ ॥

वज्रशब्दसर्वविशुद्ध



ॐ सर्वं ॥ लं वं हं मं नमि व जी ॥ न व व ज व ध कौ ॥ व ज स व आ ॥
स फ व न ॥ न तौ दा द भ व ल पु म न क स द य स्म प य त क सा
स न ॥ ॐ न रु ॥ भ म हा क भ दी वा प्र वी ता व द्वा दे न ता ॥ व द
व र्मा स द य न ता ॥ प थी वी जा न द न ग ॥ स र्व वी ॥ भ नि कू व नु स्वा
सि स्वा हा ॥ ॥ थ न सि नै का पू जा या डा व ॥ क स त यी ॥ ॥ इ क ल त य ॥
सि त भ ॥ व द ध्वा य नु स र्व ॥ स द नू जी न सू ता दे व ता न्य स ता तु स क्का

या ला क पा ला ॥ स स त दि व सू ता ॥ दे व ता ती ॥ स म ता भि ता क ल्या
न ची का स क ल ज न प दि ता न न ज्ञा र्थ ना या पू जा ग द्वा नु भ नि वी
ध द गु य य ती क्तु ॥ जा ग ल य द्वा ॥ ॥ व न ॥ पा ता त री सु तं वी
या ॥ पा दा र्दी व त रं मू व नु ॥ स त न ज्ञ द द स्य तु ॥ जा न द स्य त थ त
न ॥ ॥ मा हा त रं त द र ली ग द्वा दे व न द्वा त री ॥ प ता न क टि द स्य
त स फ म प रि की रि तं ॥ त व ला क ना ती द भ तु तु व ला का द न

ॐ तज्ज्ञेयविधादवसुस्यं ज्ञेयं नमः ॥ १ ॥ नितवर्धनमहा
कार्यमहाधापनिसहिर्गं ॥ यमभूनकर्तृवर्धकृतानर्कनम
स्तुते ॥ २ ॥ ॐ हृदगीकसंकासंमस्तु नगविपंपुतं दनकाभिक
नवार्थवचनाय नमस्तुते ॥ ३ ॥ सुत्रकायमहातज्ञा, कनककन
मनितं नृभवा नृदपदेन लंकुर्वनयनमस्तुते ॥ ४ ॥ ॐ क्ववर्ध
महाकाय विभलक कपालकं सदाकल्पानकनीलं पुनः

तर्कनमस्तुते ॥ ५ ॥ पातवर्धसहातेडा, सूनापातक
वेत, वासकमस्तुते ॥ ६ ॥ अजामननमस्तुते ॥ ७ ॥
नशीवर्धमहकाय, तादातलनरुषीतं ॥ ८ ॥ सुककपा
यवीन, पातवर्धनमस्तुते ॥ ९ ॥ पातवर्धकपा
त, अन्वदेहसहावली, पञ्चपलङ्कव, मगनृषी
नसीते ॥ १० ॥ ॥ ३ पुत्रवर्धपातवर्धपतुक्कदपुपातग

क म न्युक्तसुप्रचरुतामर्न, नमामीह ॥ १८ ॥ नागसंतव
संकर्ष, पद्मनगसमप्रतसफाध्वनथमूहव, वजस्रथ
नमामीह ॥ १० ॥ कुल्युगुसागसकल्पदुःप्रकाहीजीवीतं
स्तुमैवाहनसंशुके, निष्कृन्नुमासीह ॥ ११ ॥ पुष्पिवीकि
त्रयनैव, अमर्तपूनसंशुके, सवागकेनकवर्धुता, पद्मसं
नैनभ्यमुर्त ॥ १२ ॥ नागनाडागुववलकृताज्ञीकनवय

पम्प्रापनीसमाभ्युन, सखनागयतेनभास्तु ॥ १३ ॥ गुना
सर्नसूत्रसख, खगैरुठकधनीर्ण, भ्यामवर्धुसहाकाय
व्यामचीतायतेनम ॥ १४ ॥ कुंतिहाकपानपूजा ॥ ॥ त्र
ताविपूजा ॥ विन्ताननिपूजादव, वुपुतताविस्तयचूपूसा
मताप्रातस्तया ॥ सीमताप्रातचायके ॥ सखय ॥ ॥ सर्वयातस
र्वकुंभ्यपकेभ्य सर्वइषुवीद्यमानानर्कैरु ॥ कुंतीरुतायि ॥ ॥

तत्ता माहावाक् ॥ ॐ अद्यवागाहाकल्प, वैवस्वतमन्यतः कलीय
गठनथखलुजा मूहाप, हं म पा देवभूकी रुते हिमा गया दह
मपा सुभ्यं ख पवत समीपि ॥ सुयुगाका नम लु लु उपचुन्दी
ह रुते गम पचु पवत आसुय रुते पथ ॥ ॐ अद्यवागाहा गम
निष्ठा ॥ न पान दधवा गम लो पूर्व कर्त्तुं विविर पा रु देवतानि को
वि ॥ न ख गम न ना अ गच्छ या ग ध्वना न रु कर्त्तुं पभ्य पती स

निष्ठा ॥ ॐ अद्य ॥ ॐ त त प गा ॥ म द म गा ध्व सु मु क द म
का ॥ क को लि चू त य द्वा, ग प रु व ता दी री न व रु द्वा न, क निष्ठा
का रु रु दी र्थ री न म व क खाय का र्थ नी धे न ना भि, दी न च
य ॥ स य गा डा दि य द्वा म सु धि ना, प हा न रु ल ल ॥ ॐ ॥
ॐ प्र डा ल हा ल ॥ ॐ ॥ त ता सु सि वा क् ॥ सु स्मी व कू न ता ॥ व
ह सु स्मी द व ॥ ॐ म सकु का ॥ सु सि स वी लि त ता नि, सब का

लंतामनुन॥वृह प न्या न ता वा न, दध ता ना स न न व। आ आ इ थ
स म त्वा प्र न स क्क वी श्थ य स म क्क ती॥सुस्मि वा दी प दी ता न्
स स्मि वा तु च प द॥सुस्मि वा वृ ड ता मा र्ग सुस्मि पु त्या ग ते सु च
स स्मि ना ती सु स्मि म क्क दि न स्मि ती सु स्मि स व स द्वा ना र्ग, सर्व व
दा दी म नु व॥सु वं उ सु स्मि वा र्ग ता नु म य वा पा प मा ग म ता
सर्व सत्वा ४ सर्व प्रा न्म ४ सर्व र ता च के न ला ४॥सर्व व सु खी न ४

सं मु मा न्मि पा प मा ग म ता॥सर्व दी व स क ल्या नि, सर्व न
रु उ रा ड का॥सर्व म द्दि का वृ द, सर्व सत्वा नि ना थ य॥जु न
न सुस्मि वा क्क न, सुस्मि र न म म ग ता॥या वी ह र ता नि स्मि ता ना
स म ग ता नि र मा च थ वा न नि रु, कू व नु म ती ला ता प्र जा सु दि
वृ ना र्ग वृ च ना नु व म्म ४॥ ॥त ता थ ना ना ग र ह ली त ग्नि म वा
पे का न र्ग ज न, प र्म मा र्ग य न र प नी र्ग डा वि म नु ल र्ग का नी र्ग व

पीनवर्त्तभीकमुखं चत्तुर्दंडवाभेदलुकलपुत्रद्वयं सुविवर
दाशुमानाभगीषीतासुगतनलपयद्वोपवीतीनी। त्रीभुतंडा
मधुठ अगीनं वडासदा लंकुतं। भालिनी ॥४॥ ~~संस्कृत~~
समयागिमीरावा ॥५॥ कहीमहातृता, दवषिद्धिडासनाम
गहीवाकृतीमहातृता संनिहाता तवसादा ॥६॥ यमनम
नैनका नागिमावाक ॥ ॥७॥ आ ॥८॥ दंडी ॥९॥ दंडी ॥१०॥

म
डंडाया आकृषा ॥११॥ आभय ॥ ॥ आकर्षण ॥ वृषवाक ॥
॥१२॥ नस्यचमहाभेदपयचवयवसीत ॥१३॥ तस्यादीवेवीन्य
सच, तस्यैतपनमैभन ॥ ॥१४॥ नक्षीटीमयैयदू, सता
षममिनेम्यता। मनुयदूनयद्वान, दूनायाक्षीटीनपक
हसदहतापिपानि, दिद्यमाशुपदाय ॥१५॥ अवायनापुतावा
पितीकी (अवायन) नतु ॥१६॥ तपदपनम ॥१७॥ नत ॥१८॥ दपनम

ॐ अथ यथा सा ॥ ॐ बलिता यथा सा ॥ ॐ पुत्रलिता यथा सा ॥
ॐ दाफाला यथा सा ॥ ॐ समनका यथा सा ॥ ॐ मानितडा
यथा सा ॥ ॐ पृथु रडा यथा सा ॥ ॐ अग्नियथा सा ॥ ॐ गंडी कना य
था सा ॥ ॐ पक्ष पक्षानपुजा ॥ सुति ॥ इति सैवीनियतं पीतवर्णमक्षि
कली पीताम्बुना वन गंडा, अथ नमो सुता कया ॥ चरुतडा महा
गंडा, डाडा कुटुनी ॥ वनहा अरुमाना क, दे, पुकमगुरु वग

डाडाडाडागादिहा, अ ननाय नमस्तु नै ॥ वृती समयायि ॥ ॥
यनदायके ॥ ॐ श्री ४ साहा ॥ ॥ की ॥ अरुके ॥ ॐ सर्व पापदहनडा
य, सर्व पापदह साहा ॥ प्रतिवी वृत्त मा रणा दी ॥
तथा ता रणा दी ॥ पात्र पुजा ॥ तति ॥ अग्नि मुखे शुका गेलचक
ह लपुमा लीभि कुवडवी ताव ॥ डा नरुप नही त नू व नवदि सुवि
वर्के ४ स्वम भु गी सो य न कती दद्या न ॥ तता ताव ना ॥

प्राकृतसद्वर्गप्रपु. पाद्यपदोमुवापयत्। महीज्व
ततोदद्यात्, वर्केनाचमनैतथा॥ सर्वडयमुखगले, हृदि
अनसीपुष्पार्क॥ तरुलाकृदिकंरुम्, जालाजवूपनैत
समिहकादार्कसव, प्रतायीदापनैपून॥ अन्वद्यादीनसा
पैत, पूनतकषुवसल॥ तमीरुतवावर्दनि, सिततिलीप
पापहं, अन्निकृता, सीदार्थावलवदीकसुवीपुलीम

षयवारैगद॥ कमुलाहवावर्दनी, सुकलसंपत्ताअन्नी
अन्यर्क, गमवेसअनिअगद॥ सुकलखीलदलैक
थकृत्॥ तैजोवदीकनीसमासवूपय॥ प्रहृष्टदंख्य
द, सीतागमादिदुलप्रद, सलिलउकन्नादीपुष्पातुमी॥
दीपाकिविवदना, दधिगुणनचापीसाताग्यदंडवायु
वसवर्दनि, सकलसंपत्तानर्कवायर्क॥ तामूलवर्ददस



चुडनग लीलसी पुदंभ्य भूने र्वे द्वा सीदी व पुदा इति लसत
ते लक सपनं ॥ सुकि डमड तावी पती न ही ती दद्या च ता
ना प मा स्वे द्वा सीदिवी व दनि सूत ग ॥ सुत ग ॥ सी सी वी
ता देव ता ॥ ॥ ॐ द्य ते ना प नी लि फिन समि वं प नी ॥
वेय ॥ म न्य ना द्वा नी ते र्म्य क इ द्यातु सुवड पालि न ॥
ॐ अ ॥ सा हा ॥ ॥ ॐ व न म ॥ ॐ अ गृथ सा हा ॥ द्य त द्य ॥
व ता प नी न सव समि वं इ द्यातु ॥ ॥ समी वेदय

ॐ अ कौय सा हा ॥ ॐ का सी ॥ ॥ ॐ आ मा य सा हा ॥ प ता
ॐ व डा ग ना य सा हा ॥ ख दी न ॥ ॥ ॐ व ड व वा य सा
हा ॥ अ पा मा र्ग ॥ ॥ ॐ शा ग म स त य सा हा ॥ ॐ म व
ॐ अ भू ना र्ग मा य सा हा ॥ ॐ अ र्ग व ॥ ॥ ॐ व ड कु व
ना य सा हा ॥ व न सी ॥ ॥ ॐ व ड य द्वा य सा हा ॥ उ ड म न
ॐ व ड दालिका य सा हा ॥ द ग न ॥ ॥ ॐ व ड व क ता क
य सा हा ॥ व क न ॥ ॥ ॐ व ड भू नि भ नी य सा हा ॥ स नि क

ॐ वज्रविद्ययाय स्वाहा ॥ अस्वस्व ॥ ॥ ॐ वज्रलताय स्वा
हा ॥ पीताम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रवीजाय स्वाहा ॥ व्रमनम् ॥ ॥ ॐ
ॐ वज्रभय स्वाहा ॥ वज्रम् ॥ ॥ ॐ मधुना स्वाहा ॥ मधुकाय
ॐ मधुना स्वाहा ॥ मधुना ॥ ॥ ॐ जम्बिकाय स्वाहा ॥ जम्बुक ॥
ॐ सवपापप्रममनाय स्वाहा ॥ वैर्किक ॥ ॐ ॥ सवगीगप्रम
मनाय स्वाहा ॥ त्रिनेत्र ॥ ॥ ॐ सर्वकृष्णप्रमनाय स्वा
हा ॥ कलङ्गनाम् ॥ ॥ ॐ वज्रसहकाय स्वाहा ॥ अश्वत्थ ॥

ॐ वज्रवृताय स्वाहा ॥ वृता ॥ ॥ ॐ निवृत्ताय स्वाहा ॥ निवृत्त
ॐ कदम्बाय स्वाहा ॥ कदम्ब ॥ ॥ ॐ सवगीरताय स्वाहा
गताय ॥ ॥ ॐ वज्ररीताय स्वाहा ॥ रीताय
ॐ वज्रपीतवृत्ताय स्वाहा ॥ पीताम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रकृष्णाय स्वा
हा ॥ कृष्णनाम् ॥ ॥ ॐ वज्रवृत्ताय स्वाहा ॥ मिर्कसी ॥ ॥
ॐ वज्रपीताम्बाय स्वाहा ॥ पीताम्बा ॥ ॥ ॐ वज्रमदननाय स्वा
हा ॥ मदननाम् ॥ ॥ ॐ वज्रपीताम्बाय स्वाहा ॥ ॥

ॐ अ प्र गी ह न व डी स्वाहा ॥ कु म ॥ ॥ ॐ व ज्ञा च वि स्वाहा
॥ ई शी च ॥ ॥ ॐ वी म लं भू ख सी भु द्वे नि म्म लं डल
पू रि तं । इ व्य न त्ता मृ ता ग व्य भि च य वी दी भू य न
म न ॥ ॐ स व वा हा डी के आ ४ कूं ख स्वाहा ॥ वी दी भू वा ना
ॐ स व पा प द ह व ज्ञाय स व पा प द ह २ स्वाहा ॥ हा स ॥
ॐ व ज्ञा य स्वाहा ॥ अ रु त ॥ ॐ व ज्ञा व ग य स्वाहा ॥
ॐ व ज्ञा च स ना य स्वाहा ॥ न डी ॥ ॥ ॐ व ज्ञा वी ज्ञाय

स्वाहा ॥ स्वा न्ना ॥ ॥ ॐ वी डी ता व च स्वाहा ॥ प्र वा
ॐ म हा व ना य स्वाहा ॥ मा स ॥ ॥ ॐ व ज्ञा मृ ग मा य स्वा
हा ॥ मृ ग ॥ ॥ ॐ व ज्ञा क ना य स्वाहा ॥ मा ता ॥ ॥ ॐ व ज्ञा
की मा ष पी ॥ स्वाहा ॥ की ता ॥ ॥ ॐ आ ४ कूं स
ह मा ष के स्वाहा ॥ प्र मा स ॥ ॥ ॐ व ज्ञा भू वा वूं ॐ आ कूं
स्वाहा ॥ रु ती ॥ ॥ ॐ कूं न म ना य ॐ आ ४ कूं स्वाहा ॥ के
न गी ॥ ॥ ॐ आ ४ कूं अ न सी रु ना य स्वाहा ॥ ती सी

गोडा यूपुष्टिकुनखाहा ॥ व्यान ॥ ॥ ॐ जा ॥ ॐ द ॥ ॐ त ॥ ॐ
कथे मूना ॥ ॥ ॐ द ॥ ॐ द ॥ ॐ ज ॥ ॐ ली ॥ ॐ मा ॥ ॐ पा ॥ ॐ ता ॥ ॐ स ॥ ॐ व ॥ ॐ वी ॥ ॐ ती ॥ ॐ
स्या हा ॥ ॐ श्री ॥ ॐ हि ॥ ॐ न ॥ ॥ ॐ श्री ॥ ॐ दी ॥ ॐ हा ॥ ॐ य ॥ ॥ ॐ प्र ॥ ॐ थ ॥ ॐ मा ॥ ॐ द ॥ ॐ ती
या ॥ ॐ य ॥ ॥ ॐ त ॥ ॐ ती ॥ ॐ डा ॥ ॐ न ॥ ॐ व ॥ ॐ ल ॥ ॐ न ॥ ॐ क ॥ ॐ न ॥ ॐ त ॥ ॐ व ॥ ॐ म ॥ ॐ क ॥ ॐ न ॥ ॐ ल ॥ ॐ य ॥ ॐ त ॥ ॐ प
॥ ॐ पा ॥ ॐ ती ॥ ॐ मा ॥ ॐ दा ॥ ॐ य ॥ ॐ द ॥ ॐ शी ॥ ॐ ल ॥ ॐ क ॥ ॐ न ॥ ॐ ल ॥ ॐ य ॥ ॐ म ॥ ॐ ख ॥ ॐ भ ॥ ॐ वा ॥ ॐ मा ॥ ॐ दा ॥ ॐ य ॥ ॐ स ॥ ॐ मा
॥ ॐ प्र ॥ ॐ द ॥ ॐ शी ॥ ॐ ल ॥ ॐ का ॥ ॐ न ॥ ॐ जी ॥ ॐ वा ॥ ॐ आ ॥ ॐ मा ॥ ॐ न ॥ ॐ मी ॥ ॐ ष ॥ ॐ द ॥ ॐ व ॥ ॐ ता ॥ ॐ न ॥ ॐ प ॥ ॐ म ॥ ॐ द ॥ ॐ ह
॥ ॐ न ॥ ॐ व ॥ ॐ द ॥ ॐ वा ॥ ॐ व ॥ ॐ त ॥ ॐ म ॥ ॐ वि ॥ ॐ य ॥ ॐ थ ॥ ॐ म ॥ ॐ त ॥ ॐ व ॥ ॐ मी ॥ ॐ क ॥ ॐ ती ॥ ॐ प ॥ ॐ क ॥ ॐ स ॥ ॐ फ ॥ ॐ क ॥ ॐ ती ॥ ॐ भ ॥ ॐ य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

इति नमस्तुभ्यं श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

देवतादतीयाय ॥ ॐ नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
वशाकश्च दीयागतः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
करीतु ॥ ॥ तत्पदीयनमवेक्ष्य नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
मवेक्ष्य तं पदं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
वृत्तिं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
नवीतु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
वसुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

यावद्वनरुकोटी ॥ स्वस्ति स्वीदी नृसा नमः नमः नमः
दीताम नमः ॥ ॥ नमः सखा दक्षिणी नमः दी सखा दी राव ना
वर सखा पुताया कः उरु लाहलितान नमः ॥ ॥ नमः देव
नामः ॥ ॥ नमः देवः अक्षयः पादः पुष्पा नामः ॥
ॐ स्वस्ति वाकु नमः दी ॥ ॐ अक्षयः दी पातादा ॥
लास्याः नमः ॥ नमः दी नमः दी नमः ॥ ॥ पुष्पा
नमः ॥ ॥

पुष्पं दत्तं श्री वी अवसु दला दी नर्तु न गम दी म लुल ग
ताश्च सम्युक्त सम्यक ॥ वैष्णव नमस्तु गत सुनु सला
क पा ला न, स ते वा स व वी वि ना वलि भा प चार्त्त ॥
अथा पात्रा ॥ वेप पुष्पं दी द य ॥ च द द य ॥ समा वे अ
कादि पु व शे द या त ॥ ॐ अ ४ समाधि रु ल ज्ञे सा हा ॥
मम न सी ॥ ॐ अ ४ दं ग भा व ती न क ४ वी रू ष ल

दं सा हा ॥ आ ख लु ॥ ॐ व ज वा म स सा हा ॥ ज ज म
ॐ सु प ष सु क ल व ल डी न ति थ प षि क रू सा
हा ॥ प द्या प न ॥ ॐ वे म्मा वे म्मा ना उ उ ह र स व
वी द्या प्र भा नि क रू सा हा ॥ च ड न गू णी ॥
ॐ अ ४ व ज वे प सा हा ॥ वू ॥ ॐ अ ४ व ज दी ण
सा हा ॥ दि प ॥ ॐ ग ग म ग ग म वी ला की त

ॐ नमो नारायणाय प्रसिद्धं नमो नमो स्वाहा ॥ वा न ॥ ॐ वज्र
नाम नारायण स्वाहा ॥ नाम ॥ ॥ ॐ वज्राय नमो नमो स्वाहा
॥ वा नमो ॥ ॥ ॐ सर्वज्ञाय नमो नमो स्वाहा ॥ सर्व
वि ॥ ॥ ॐ श्री कौशिक नमो नमो स्वाहा ॥ श्री
कौ ॥ ॥ ॐ श्री हनुमन् नमो नमो स्वाहा ॥ श्री
हनु ॥ ॥ ॐ मदनाय स्वाहा ॥ मदन हनु ॥
ॐ वज्रवर्माय स्वाहा ॥ कुम्भी ॥ ॐ सर्वत्राय स्वाहा

नाय स्वाहा ॥ भगवत् ॥ ॥ ॐ वज्रवीजाय स्वाहा ॥ सुम्भ
ॐ सर्वकर्म करीय स्वाहा ॥ नागकेशव ॥ ॐ व
ज्रमद हनु स्वाहा ॥ पद्मकेशव ॥ ॥ ॐ सर्वप्रदाय स्वाहा
॥ श्रीगणेशाय स्वाहा ॥ ॐ देवदेव स्वाहा ॥ भिद्रास
ॐ प्रसिद्धं स्वाहा ॥ गुगुनी ॥ ॐ समप्रदाय स्वाहा
स्वाहा ॥ जगनी ॥ ॥ सुसमप्रदाय स्वाहा ॥ कृष्णगुन ॥

ॐ नमो भगवते सर्वस्वी दीक्षु र्दं स्वाहा ॥ नमो नमः ॥
ॐ नमः ॥ सर्वकायं स्वी दीक्षु र्दं स्वाहा ॥ नमो नमः
ॐ वज्रनिर्गो र्मा यं स्वाहा ॥ श्री रवः ॥ ॥ ॐ वज्र
दधनदलाय स्वाहा ॥ को लदल ॥ ॥ ॐ वज्रनक्षत्र
हा ॥ वयं नमः ॥ ॐ सर्वतो वज्राय स्वाहा ॥ नमः ॥
ॐ वज्राय स्वाहा ॥ इति कुरु ॥ ॥ ॐ वज्र इव र्दं इति ॥

ॐ वज्र पीठकायं स्वाहा ॥ पीठका ॥ ॥ ॐ ओ ४ र्दं स्वा
हा ॥ मृतादी ॥ ॥ स्वादी दी दय ॥ ॥ वनदय ॥ ॥ पृथ्वी
दी तीयाय ॥ महावाक् ॥ अद्या दी ॥ मनः ॥ ॐ ओ ४ र्दं स्वाहा
दी पनी भूषा न र्दं ॥ ॥ ॐ नमः ॥ ॐ वज्रानवर्द्धि पुर्णकरी ॥ स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमः ॥
कलपु र्दं ॥ ॥ पद्यन त्या भन मुष् ॥ तुष्वा दी वली पुता

कुलभक्तमहेश्वर। वीरुवायु महावन । १ । कमदेवा
हनाश्वन, वउसुथातयगुहा ॥ ७ ॥ यथा भवनश्वक्
वैरैकुलपस्तथा ॥ ३ ॥ वेमना जाव नागाश्च गव
वा सुनकी वृना ॥ गायत्री भनीदवाश्च अकनिष्ठनिवासी
नी ॥ ४ ॥ महाजाजायव निवासी वृधवर्णिनी ॥ नि

वी अनतिदवाश्च शुभवासाय गार्ध्वव ॥ ५ ॥ मानवी
जाकभातुव वध आतुनिवासी नि ॥ वतु द्वीपसुता सखा
सुतायवती आतुके ॥ ६ ॥ राजनसखलाकाश्च लता
गुहमनुदीपदथा सुदीतातुमी सुतायव वीमनायो मती
सुता ॥ ७ ॥ सावनी यो कृता सुता वेमभवा नृगसयव
दक्षयाया गताश्च यदनगमाश्च प्राफश्च ॥ ८ ॥ प्रताक

मिनि वासी नीं असी मुरवी स्त्री स व। ला वूमती
म गाय व। द अरुमी भुन नाथ ॥ ३ ॥ डा वी गरी
ग नाय भ, स व व दा अ व का धर्व। ग गी बु रु म
रु पी नं ४ पु त न न क त थ भ, द वा सु न न रु उ का ॥ १ ॥
प्रा नि ता हा म वा अ भ न, त ग नाय द म म री। दान प त
डा डा मा न ॥ थ न, वे त ना व, वी न वे क, वी न ना न

भु व न ना थ र्थ न नै नै र ता रु का म नार्थ पु न थ र
द स जा ता वी य ॥ ४ ॥ म व पृ नी स व ना क स र रा रु का
म नार्थ पु न थ र पृ ना रु ती पु न्द्र सा हा ॥ ॥ गी डा
या ता ॥ गी डा वि गी डा, प न म भु न, प न म र कान
क स भु अ थु डा य न म डी त म ल दे व, पु र थ क